

# महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत: नरेंद्र मोहन



## नगराज दर्पण समाचार

कानपुर । बदलते परिवेश में महिलाओं के प्रति हमें अपना नजरिया बदलना होगा तभी महिला सशक्तिकरण का

लक्ष्य पूरा हो पाएगा । यह बात एन एस आई के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कही । ज्योति महिला समिति एवं खुशहाल बेटियां खुशहाल समाज के संयुक्त तत्वाधान में एनएसआई प्रांगण

में शुरू हुए महिला सप्ताह कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे । इस अवसर पर डॉ सीमा परोहा ने कहा कि चीनी उद्योग में महिलाओं एवं युवतियों की तेजी से बढ़ोतरी हो रही है जो कि काफी खुशी की बात है । प्रीति अवस्थी ने कहा कि महिलाओं को आप किसी बात से डरने की आवश्यकता नहीं है , वह भी पुरुषों के बराबर कार्य कर रही हैं और सरकार भी महिलाओं को सशक्तिकरण बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है इसका लाभ उन्हें अवश्य लेना चाहिए । संगोष्ठी का संचालन महेंद्र कुमार यादव ने किया ।

## महिला सशक्तिकरण के लिए और अधिक प्रयास जरूरी

महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित



महिला को सम्मानित करते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

कानपुर, 6 मार्च। महिला सप्ताह का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में लिंग समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी पर विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया गया। एनएसआई की ओर से अन्य संगठन ज्योति महिला समिति और खुशहाल बेटियां खुशहाल समाज समिति के साथ संयुक्त रूप से किया गया।

संस्थान की डा. सीमा परोहा ने चीनी उद्योग में महिलाओं एवं लड़कियों की बेहतर भागीदारी के लिए किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। समिति की जोनल अध्यक्ष श्रीमती रविंदर अरोड़ा ने महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लिंग आधारित हिंसा, आर्थिक अपराध भेदभाव और बाल विवाह जैसी हानिकारक पारंपरिक प्रथाओं के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने की जरूरत है। संस्थापक श्रीमती प्रीति अवस्थी ने कहा कि घर में कार्यस्थल पर और व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदायों में महिलाओं और पुरुषों के बीच साझा शक्ति और जिम्मेदारी का सिद्धांत स्थापित किया जाना चाहिये। ज्योति महिला समिति, अध्यक्ष श्रीमती अनीता अग्रवाल ने युवा पीढ़ी को अपने विचारों के बारे में जागरूक होने का आह्वान किया जिसका उद्देश्य आत्मनिर्भर होना है और जिसके लिए आवश्यक शिक्षा एवं योग्यता प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। दुनिया के दस गरीब लोगों में से छह महिलाएं हैं और दुनिया के निरक्षर वयस्कों में लगभग दो-तिहाई महिलाएं हैं। महिलाओं के आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए सभी प्रयास करने की आवश्यकता है। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार के लिए समाज का महिलाएं के प्रति बेहतर नजरिए, शिक्षा और कौशल विकास जरूरी है। संस्थान ने विभिन्न महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जिन्होंने महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को ऊपर उठाने के लिए अनुकरणीय कार्य किया है।

एनएसआई में महिला दिवस पर महिलाओं को सम्मानित करते निदेशक नरेंद्र मोहन।



# Emphasis on empowering women, girls

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The National Sugar Institute (NSI) organised a brainstorming session to celebrate Women's Week titled 'Innovation and technology for gender equality' which is the theme for this year. The programme was organised jointly with other organisations, Jyoti Mahila Samiti and Khushhal Betiyan, Khushhal Samaaj Samiti who were working for improving the quality of life of women. Zonal president, Khushhal Betiyan, Khushhal Samaaj Samiti, Ravinder Arora, stressed on empowering women and girls. She said dis-

crimination against women and girls through gender-based violence, economic discrimination and harmful traditional practices, such as child marriage, needs to be eradicated. She said the principle of shared power and responsibility should be established between women and men at home, in the workplace and in the wider national and international communities, said Preeti Awasthi, founder, Jyoti Mahila Samiti. President, Jyoti Mahila Samiti, Anita Agrawal, called upon the younger generation to be aware of their rights, aim at being self-dependent and for which they need to acquire required qualification

which held the key to their progress. She said given the fact that six out of 10 of the world's poorest people are women and about two-thirds of the world's illiterate adults are women, thus there was a need for making all-out efforts for economic, educational and political empowerment of women, added NSI Director Narendra Mohan. He said better education and skill development was necessary for improving the status of women for improving their quality of life. Later the NSI also felicitated various women social workers who had carried out exemplary work for the uplift of the status of women and girls.

## 'Women's Week' observed at NSI

**Kanpur:** As a part of activities undertaken to celebrate 'Women's Week', a brainstorming session was organized at National Sugar Institute, Kanpur on 'Innovation & Technology for Gender Equality'. The programme was organized jointly with other organizations, 'Jyoti Mahila Samiti' and 'Khushhal Betiyan, Khushhal Samaaj Samiti' who are working for improving the quality of life of women.

Zonal President, 'Khushhal Betiyan, Khushhal Samaaj Samiti', Ravinder Arora, in her address stressed upon the need for empowering women and girls. Gender based violence, economic discrimination and harmful traditional practices, such as child marriage, need to be eradicated, she said. The principle of

shared power and responsibility should be established between women and men at home, in the workplace and in national and international communities, said Founder, Jyoti Mahila Samiti, Preeti Awasthi.

Anita Agrawal, President, Jyoti Mahila Samiti, called upon the younger generation to be aware of their rights, aim at being self dependent. "There is need for making all out efforts for economic, educational and political empowerment of the women", said Director, National Sugar Institute, Kanpur; Professor Narendra Agarwal. Institute also felicitated various women social workers who have carried out exemplary work for uplifting the status of women and girls. TNN